NBJK
SINCE 1971

नव भारत जागृति केन्द्र
NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

Putting the Last First.....

सूचना पत्र | News letter

अप्रैल – जून 2018 एवं जुलाई – सितम्बर 2018 का संयुक्तांक | www.nbjk.org | Joint Issue of April- June 2018 & July - September 2018

लोक समिति – एक परिचय

गैरदलीय गाँधीवादी जनसंगठन लोक समिति की स्थापना प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और सर्वोदयी नेता श्री जयप्रकाश नारायण जी (जेपी) ने 30 जून 1977 को किया था और इसका प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्हें ही निर्वाचित किया गया था. लोक समिति के मूल में एक ऐसे शांतिपूर्ण गैरराजनीतिक संगठन की कल्पना थी, जो बेलगाम अफसरशाही–जनप्रतिनिधियों को नियन्त्रित कर सके. जेपी के सामाजिक–राजनीतिक प्रयोगों में लोक समिति का विशेष महत्व है और भारतीय लोकतन्त्र की मजबूती में इसका योगदान है. उस वक्त बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओड़िशा, बंगाल आदि कई राज्यों में लोक समितियाँ बनीं और आचार्य राममूर्ति, ठाकुर दास बंग, सिद्धराज ढड्ढा जैसे अनेक मशहूर सर्वोदयी इसमें शामिल थे.

लोक समिति द्वारा लिये गए महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में "काम के अधिकार" को मौलिक अधिकारों में शामिल करने के लिए पटना से दिल्ली तक 33 दिनों की साइकिल रैली (1987), चतरा जिला अन्तर्गत हंटरगंज प्रखंड में भूस्वामियों के कब्जे वाली 550 एकड़ जमीन का गरीबों के बीच शान्तिपूर्ण तरीके से वितरण (1988), बिहार जागरण यात्रा (1992), झारखण्ड जागरण यात्रा (2004), मानव जोड़ो अभियान (1990–2007), सम्पूर्ण परिवर्तन यात्रा (बिहार, 2013), शराब मुक्ति यात्रा (झारखण्ड, 2017), शराब विरोधी राष्ट्रीय सम्मेलन (दिल्ली, मार्च 2018) आदि प्रमुख हैं. लोक समिति ने "मानव जोड़ो अभियान" के तहत सम्प्रदायवाद/जातिवाद से विभाजित समाज के सामने अंतरजातीय/अंतरधार्मिक विवाह जैसा समाधान रखा और जाति–धर्म से आगे विकास पर विमर्श की शुरुआत किया. इसके जनवकालत सम्बन्धी कार्यों में पंचायती राज, महिला–बुनकर –किसान–दलित–आदिवासी सशक्तिकरण, भूमि सुधार, झारखण्ड राज्य निर्माण, सूचना का अधिकार, विस्थापित–विकलांग पुनर्वास, स्वास्थ्य (मानसिक स्वास्थ्य समेत), शिक्षा, आपदा राहत, चुनाव सुधार जैसे मुद्दे शामिल हैं.

वर्ष 2013 में लोक समिति के तत्कालीन राष्ट्रीय महामन्त्री श्री गिरिजा सतीश के नेतृत्व में बिहार में आयोजित सम्पूर्ण परिवर्तन यात्रा स्वशासन, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, न्याय, राजनीतिक–कार्मिक व्यवस्था में सुधार, बेघरों को घर, शराबबन्दी, पड़ोसी देशों से अच्छा सम्बन्ध जैसे मुद्दों पर केन्द्रित थी और महिलाओं में शराब के खिलाफ व्यापक आक्रोश के मद्देनज़र प्रखंड–जिला स्तरों पर लगातार कार्यक्रम लिये गए. खुशी है कि बिहार में सरकार ने महिलाओं की भावना का आदर करते हुए अप्रैल 2016 से शराब पर रोक दिया है. लोक समिति द्वारा झारखण्ड में भी शराबबन्दी के प्रयास जारी हैं और इस सिलसिले में राज्य स्तरीय सम्मेलन (राँची, 22 फरवरी'17), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शराब–दहेज–अन्धविश्वास विरोधी दिवस के रूप में आयोजन (8 मार्च'17) और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश के नेतृत्व में शराब मुक्ति यात्रा (4–11 जून'17) जैसे कार्यक्रमों की अहम भूमिका है. लोक समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक (अहमदाबाद, 1 सितम्बर'17) में शराब, साम्प्रदायिकता, सामाजिक बुराइयाँ–अन्धविश्वास के विरुद्ध संघर्ष, किसान समस्या निराकरण और संगठनात्मक मजबूती जैसे प्रस्ताव लिए गये थे. 18–19 मार्च 2018 को राजघाट, नयी दिल्ली में शराब के खिलाफ आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से लोक समिति ने पूरे देश में एक मजबूत शराब विरोधी कानून लाने की मांग किया है. क्योंकि 85% महिला विरोधी अपराध, 70% सड़क दुर्घटना और एक बड़ी संख्या में लोगों की बीमारी–मौत के पीछे इसका हाथ रहता है.

Lok Samiti – An Introduction

A Non-political & Gandhiaite people's organization Lok Samiti was initiated on 30th June 1977 by noted freedom fighter & Sarvodaya leader Loknayak JayPrakash Narayan alias JP, who was elected as it's first national president also. Lok Samiti emerged from the idea of a peaceful & non-political organization of common people which can check and balance unrestrained bureaucracy as well as people's representatives. Among various socio-political experiments by JP, Lok Samiti stands with special importance and contributed to strengthen indian democracy undoubtedly. At that time, Lok Samiti was formed in many states like Bihar, Gujrat, Uttar Pradesh, Rajsthan, Odisha, Bengal etc and many well-known Sarvodaya leaders as Acharya Ramamurty, Thakur Das Bang, Siddharaj Dhaddha have joined the organization.

Right from its beginning, Lok Samiti has taken many significant advocacy programs e. g. 33 days bicycle rally from Patna to Delhi by youths for inclusion of Right to Work with fundamental rights (1987), peaceful distribution of 550 acres of encroached land among poor people in block-Hunterganj (dist-Chatra, Jharkhand) from illicit possession of big landlords (1988), Bihar Jagran Yatra (1992), Jharkhand Jagran Yatra (2004), Manav Jodo Abhiyan (1990-2007), Sampoorn Parivartan Yatra (Bihar, 2013), Sharab Mukti Yatra (Jharkhand, 2017), Anti-Liquor National Convention (Delhi, March 2018) etc. Lok Samiti offered the way out like Manav Jodo Abhiyan with Inter-Caste/Inter-Religion Marriage by youths before the society divided on caste/communal line and initiated a dialogue for development ahead caste/religion in Bihar & Jharkhand. Also the issues of empowering Panchayti Raj, women-weavers-farmers-dalit/tribal people, land reform, formation of Jharkhand, right to information, rehabilitation of displaced-People with disabilities, health (including mental health), education, disaster relief, election reform etc. have made its advocacy campaign multi-pronged and inclusive.

In the year 2013, Sampoorn Parivartan Yatra in Bihar under leadership of Mr. Girija Satish (then National General Secretary, Lok Samiti) was focused upon reforms in Local Governance, Agriculture, Education, Health, Police, Judiciary, Political-Bureaucratic system, Home to Destitute, Liquor Ban, Good Relation with Neighboring Countries and keeping view of the annoyance among women Anti-liquor programs held at block/district level constantly. This is a matter of relief that the Govt. of Bihar has respected their feelings and banned all kinds of liquor in the state lawfully. In Jharkhand also, Lok Samiti launched anti-liquor campaign and organized a state level convention (Ranchi, 22 Feb'17), Women's Day as Anti-Liquor, Dowry, Superstition Day (8 March'17) and a Journey for Liberation from Liquor/Sharab Mukti Yatra (4-11 June'17) across the province. In it's national executive committee at Ahmedabad (1 Sep'17), Lok Samiti took resolutions against liquor, communalism, social evils-superstition, farmers' problem and about strengthening the organization. On 18-19 March 2018, Lok Samiti demanded for a nationwide law to prohibit liquor through a national convention at Rajghat, New Delhi as this causes 85% crimes against women, 70% road accidents and a large number of casualties with diseases.

लोक समिति के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश के अनुसार जेपी की सम्पूर्ण क्रांति में समाज के नैतिक परिवर्तन का आयाम भी शामिल है और शराब को मिल रही सरकारी–सामाजिक स्वीकृति से उसे खतरा है. इन्होंने राजस्व प्राप्ति हेतु शराब बिक्री को अनैतिक, विकास विरोधी मानते हुए इस पर प्रतिबन्ध की मांग किया है और कहते हैं कि राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र में शराबबन्दी का उल्लेख होना चाहिए. इधर के कुछ वर्षों में लोक समिति के संगठनात्मक विस्तार पर ध्यान दिया गया है और 20 अप्रैल 2015 को लोक समिति की चंडीगढ़ इकाई का गठन हुआ था. 19 जुलाई 2015 को लोक समिति की मध्य प्रदेश इकाई की शुरुआत छतरपुर (म० प्र०) से हुई.

शराबबन्दी, अन्धविश्वास निवारण, जातीय–साम्प्रदायिक सद्भावना और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समग्र समाज की बेहतरी के लिए हैं. आइए! अहिंसा और शान्तिमयता में विश्वास रखने वाले इस गैरराजनीतिक जनसंगठन से जुड़कर एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज बनाने की प्रक्रिया में शामिल हों.

According to Mr. Girija Satish (National President, Lok Samiti), JP's Total revolution encompasses the very dimension of Moral Revolution too and this governmental-social acceptance for liquor is quite dangerous for that purpose. Making or selling liquor for revenue is immoral and anti-development, it must be prohibited and that negation sould be included in election manifesto of political parties, he says.

In recent years, Lok Samiti concentrated upon organizational expansion and its Chandigarh Unit was formed on 20 April 2015. Also Madhya Pradesh Unit of Lok Samiti commenced at Chhatarpur from 19 July 2015.

The issues of Liquor Ban, Superstition Eradication, Caste-Communal Harmony and Women empowerment are for betterment of entire society by Lok Samiti which believes in non-violance, peace and goodwill. Please come and join Lok Samiti to be the part of this process towards a just and progressive society!

बाल संरक्षण–बाल विवाह पर धार्मिक नेताओं का संवेदीकरण

Sensitization Workshop for Religious Leaders on Child Protection & Child Marriage

12 अप्रैल, अमृतनगरः एनबीजेके द्वारा चुरचू प्रखंड के 21 गांवों में प्लान इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित बाल केन्द्रित समुदाय विकास कार्यक्रम अंतर्गत ग्रामीण समुदाय के धार्मिक नेताओं को बाल संरक्षण, विशेषकर बाल विवाह की समस्या के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया. संस्था के संयोजन कार्यालय में आयोजित एक कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति श्री त्रिभुवन शर्मा ने बताया कि बच्चों के प्रति हिंसा, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण का व्यवहार बेहद अधार्मिक कृत्य है और बाल विवाह इन्हें बढ़ावा देता है. इन्होंने कहा कि बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु बने कानूनों को समाज का समर्थन चाहिए और उन कुप्रथाओं को तिलांजलि देनी होगी, जिनकी वजह से बच्चों का भविष्य बिगड़ता है. इस कार्यशाला में बाल विवाह के दुष्परिणाम, सामाजिक प्रभाव, बालिकाओं में शिक्षा–स्वास्थ्य की कमी पर चर्चा हुई और प्रतिभागियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की मुख्य बातों से अवगत कराया गया. यह कानून बाल विवाह को अपराध मानता है और इसमें शामिल माता–पिता, रिश्तेदार, पंडित–काजी को 2 साल की जेल, 1 लाख रु० का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है. संसाधन व्यक्ति ने जानकारी दिया कि बाल विवाह सम्बन्धी सूचना स्थानीय बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी/बीडीओ, थाना के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, डीसी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, जिला बाल कल्याण समिति और चाइल्डलाइन 1098 में से किसी को भी दे सकते हैं ताकि समय पर कार्रवाई हो सके. प्रतिभागियों ने कहा कि वो अपने क्षेत्र में बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरुक करेंगे और ऐसे विवाह की जानकारी मिलने पर सम्बन्धित अधिकारी को सूचित भी करेंगे. कार्यशाला में सर्वश्री बाबूलाल ठाकुर (चिचीखुर्द), मेघनाथ महतो (आंगो), कैलू मांझी (लारा), राजेश बेसरा (जोरदाग), लालजी हेम्ब्रम (बुजुर्गनानो), तुलसी यादव (खुरनडीह), जीतन मांझी (बेला) समेत 15 व्यक्ति शामिल थे और इसके आयोजन में भैया अंशुमान कुमार (परि० अधि०) की प्रमुख भूमिका रही.

12 April 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): A sensitization workshop for community religious leaders on child protection with special reference to child marriage was held under the program of Child Centered Community Development with support of Plan India, Delhi. Mr. Tribhuvan Sharma (resource person) opined that violence, misbehaviour, negligence and exploitation of children are most impious acts and child marriage encourages all these brazenly. The laws upon child protection need social support too and we must shun mischievous customs those can spoil our children's future, he pointed out during the workshop. There was a discussion over bad effects of child marriage, harmful social impact and negative consequences like poor health-educational status of girl children along with main features of The Prohibition of Child Marriage Act, 2006. The law declares child marriage as a crime and there is a punishment of 2 years imprisonment, penalty of Rs. 1 lakh or both for all concerned people including parents, relatives, pandit/quazi etc. The resource person has requested all the participants to inform any one among local BDO (designated Child Marriage Prohibition Officer), Child Welfare Police Officer at area police station, Dy. Commissioner, CJM, Dist. Child Welfare Committee and Childline 1098 about any child marriage in their villages. The participants have assured to make people aware about this social evil and they will inform concerned officers if such marriage takes place in villages. Messrs Babulal Thakur (Chichikhurd), Meghnath Mahto (Aango), Kailu Manjhi (Lara), Rajesh Besra (Jordag), Lalji Hembram (Bujurgnano), Tulsi Yadav (Khurandih), Jitan Manjhi (Bela) were few among 15 community religious leaders attended the workshop. Mr. Anshuman Kumar (Project Officer) and Mr. Ashok Mishra (Field Staff) have arranged the induction event.

दिव्यांगों को सहायक उपकरण और परियोजना समापन समारोह

29 मई, 18 जून, 14 जुलाई 2018, अमृत नगर (हजारीबाग): एक्शन विलेज इंडिया–बिग लाटरी फण्ड, यू०के० के सहयोग से संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत 29 मई को सदर, चुरचू, इचाक और कटकमसांडी प्रखंडों (जि०–हजारीबाग) के 25 चिह्नित दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल प्रदान किया गया. 18 जून को नभाजाके सचिव श्री सतीश गिरिजा ने 33 दिव्यांगों के बीच व्हीलचेयर व अन्य उपकरणों का वितरण करते हुए इस सहयोग हेतु एवीआइ–बीएलएफ की सराहना किया और लाभुकों को प्रेरित किया कि इन सहायक उपकरणों का भरपूर उपयोग अपने दैनिक जीवन में करें. हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, नवादा, गया जिलों में कुल 230 दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, केनस्टिक, स्मार्ट केनस्टिक और वाकर प्रदान करने के लिए चुना गया था. अलिम्को, कानपुर से मंगवाए गये इन उपकरणों को हर जिले में प्रखंड स्तर पर आयोजित विशेष शिविरों में दिव्यांगों के बीच वितरित किया गया. 14 जुलाई को आयोजित परियोजना समापन समारोह में श्री आइवन नटब्राउन (परियोजना प्रबन्धक, एवीआइ), श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, नभाजाके), श्री राहुल मेहता (पुनर्वास विशेषज्ञ, राँची) और श्रीमती सुजाता प्रसाद (परियोजना प्रबन्धक, नभाजाके) के साथ पूरी परियोजना टीम की उपस्थिति थी. इस अवसर पर लोगों ने कार्यानुभव, कार्यक्षेत्र की वस्तुस्थिति, लाभुकों की सहभागिता और परियोजना की छवि जैसे बिन्दुओं पर विचार व्यक्त किया. श्री गिरिजा सतीश ने परियोजना टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांग अधिकारिता की दिशा में किये गए प्रयासों को सराहनीय बताया. श्री आइवन नटब्राउन ने परियोजना समाप्ति पर दुःख प्रकट करते कहा कि वह बीएलएफ के साथ हुए करार से बंधे हैं. उन्होंने परियोजना द्वारा 75% लक्ष्य प्राप्ति हेतु कार्यकर्ताओं की प्रशंसा किया. समापन समारोह में हर जिला टीम की संक्षिप्त कार्यप्रस्तुति के उपरान्त श्री आइवन नटब्राउन और श्री गिरिजा सतीश ने प्रत्येक कार्यकर्ता को बतौर यादगार उपहार देकर सम्मानित भी किया. विदित हो कि झारखण्ड–बिहार के 5 जिलों में संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम (अप्रैल 2015–जुलाई 2018) के माध्यम से 2274 गाँवों के 32,366 दिव्यांग व्यक्तियों के बीच उनकी आत्मनिर्भरता, सामाजिक समावेशन, स्वशासी निकायों में भागीदारी, प्रभाव–सशक्तिकरण, व्यक्तिगत सम्बन्ध, जीवन परिस्थितियों पर नियंत्रण और आर्थिक बेहतरी को लेकर सघन रूप से काम किया गया ह

Assistive Devices for PwDs & Project Closure Ceremony

29 May,18 June,14 July 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): On 29th May, 25 identified PwDs of Sadar, Churchu, Ichak and Katkamsaandi blocks (dist-Hazaribag) have received tricycles under the program on Rights of PwDs in Jharkhand & Bihar with support from Action Village India-Big Lottery Fund, UK. On 18 June, 33 People with Disabilities have received Wheelchairs from Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) who praised AVI-BLF, UK for such support and encouraged the recipients to use Wheelchairs & other supportive instruments in their daily lives. Total 230 People with Disabilities have been identified in Hazaribag, Koderma, Giridih, Gaya, Nawada districts to get specific aids & appliances as Tricycle, Wheelchair, Callipers, Cane Stick, Smart Cane Stick and Walker according to their needs. These assistive devices came from ALIMCO, Kanpur and reached to the beneficiaries through device distribution camps at block level in each program district. On 14 July, the program got its closing ceremony and attended by all the project staffs. On this occasion, Mr. Ivan Nutbrown (Project Manager, AVI), Mr. Girija Satish (President, NBJK), Mr. Rahul Mehta (Rehab. Expert, Ranchi) and Mrs. Sujata Prasad (Project Manager, NBJK) were present. The separating event was like a big seminar to discuss work experience, ground realities, people's participation and overall perception from the field. Mr. Girija Satish has praised the team and its cotribution to ensure rights of PwDs in villages. Mr. Ivan Nutbrown said he feels sorry about closure of this project as per the agreement with BLF, UK. He rated the target achievement as 75% overall and valued the delivery by project team. After each district team's presentation, they were honored with token gifts also. Disability Rights project was implemented across 2274 villages with 32,366 identified PwDs during April 2015 – July 2018 and set many milestones in terms of their self-reliance, social inclusion, representation in decision making bodies, influence & empowerment, interpersonal relation, control over life & economic well being etc.

सर्वधर्म समभाव गोष्ठी और दावत–ए–इफ़्तार

10 जून 2018, अमृत नगर (हजारीबाग): जिला लोक समिति और नव भारत जागृति केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में सर्वधर्म समभाव बैठक और दावत–ए–इफ़्तार का आयोजन किया गया था. बैठक के शुरू में नभाजाके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि रमजान का यह पवित्र महीना रोजेदारों के मन–शरीर को शुद्ध करता है और हमारी कामना है कि पूरे समाज में शान्ति–सद्भावना बनी रहे. श्री शमशेर आलम ने कहा कि धर्म के नाम पर हमें एक होना चाहिए, क्योंकि सभी धर्मों का सन्देश समान है. श्री अर्जुन यादव ने व्यावसायिक प्रतिद्वंदिता में धर्मों को शामिल नहीं करने की अपील किया. डॉ० फारुकी ने कहा कि राजनीति से धर्म का सम्बन्ध जोड़ने से अशान्ति फैलती है, इसलिए अपने धार्मिक कर्तव्यों को सच्चे दिल से निभाना चाहिए. मुर्दा कल्याण समिति के मो० खालिद ने रोज़ा को इस्लाम का एक आधार मानते हुए कहा कि सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टि रखना बेहद ऊंची बात है और अपराधियों के धर्म–जाति को लेकर विवाद खड़े करना गलत है.

Respect for All Religions Symposium and Dawat-e-Iftar

10 June 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): A symposium upon Respect for All Religions and Dawat-e-Iftar were organised under joint auspices of Hazaribag District Lok Samiti & NBJK. The symposium was initiated with welcome address by Mr. Girija Satish (President, NBJK & National Lok Samiti) who appreciated the holy month of Ramadan for purification of body with soul and wished for peace and harmony in society. Mr. Shamsher Alam said about unity as the real message of all religious faiths that deserves to be followed. Mr. Arjun Yadav appealed to not mix religions with business while Dr. Faruqui (physician) favored a separation between politics and religions. Md. Khalid (Secretary, Murda Kalyan Samiti) has called Roza as a foundation for Islam, praised the very idea of equal respect to all faiths as a superior thought and appealed the people to not brand criminals on caste or community line. Mr. Swarup Chand Jain (Advocate) has talked about prime place of democracy and rule of law that ensures civil liberty. He said that civilians are not supposed to take

अधिवक्ता श्री स्वरुप चंद जैन ने जम्हूरियत को सर्वोपरि मानते हुए इसकी मजबूती पर बल दिया और कहा कि कानून को जनता अपने हाथों में नहीं ले. श्री गौतम सागर राणा ने फ़िराक गोरखपुरी के शेर "कारवां आते गए, हिन्दोस्तां बनता गया" से अपना वक्तव्य शुरू किया और कहा कि भारत की समावेशी संस्कृति को मजबूत करने की जरूरत है. गोष्ठी के अंत में भूतपूर्व प्राध्यापक प्रो० राधेश्याम अम्बष्ठ ने कहा कि रोज़ा रखना प्रार्थना करने का एक तरीका है और मंदिर या मस्जिद तो एक प्रतीक है, ईश्वर या अल्लाह हमारे दिलों में निवास करते हैं. गोष्ठी में नभाजाके सचिव सतीश गिरिजा भी मौजूद थे. मंच संचालन श्री शंकर राणा ने किया था. इसके बाद दावत–ए–इफ़्तार शुरू हुआ. इस गोष्ठी और दावत में लगभग 200 रोज़ेदारों के अलावा अन्य धर्मावलम्बी भी शामिल थे. कार्यक्रम आयोजन में श्री राजीव सिंह, मो० नईम, अन्नू कुमार, सुजीत मिश्र, शैलेश कुमार, मनीषा, शाहजहाँ खातून आदि का प्रमुख योगदान रहा.

law in their hands, rather we have to support law enforcement agencies or local administration. Mr. Gautam Sagar Rana quoted famous Urdu poet late Firaque Gorakhpuri as "Karwan Aate Gaye-Hindostan Banta Gaya..." and stressed upon strengthening of our inclusive Indian culture. In his concluding address, Prof. R. S. Ambashtha (Retd. Head, Dept. Of Philosophy, V. B. University, Hazaribag) has described Roza as an intense prayer and said that temple or mosque are merely symbols as that Almighty lives in our hearts invisibly. Also Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) was present on the dais. Mr. Shankar Rana (Coordinator, Jharkhand Pradesh Lok Samiti) has conducted the program and delivered vote of thanks for all the participants as well as rozedars. The symposium was followed by a Dawat-e-Iftar, a group dine for more than 200 men,women and children from Muslim, Hindu and other communities. A staff team of messrs Rajiv Singh, Md. Nayeem, Annu Kumar, Sujit Mishra, Shailesh Kumar, Manisha, Sarita and Shahjahan Khatoon has arranged the event gracefully.

रिमीडियल कोचिंग केन्द्र शिक्षकों का उन्मुखीकरण और बालिकाओं को पुरस्कार

Orientation for RCC Teachers, Students Get Prizes

28 जुलाई, 18 अगस्त 2018, अमृत नगर (हजारीबाग): एचडीबी फाइनेंसियल सर्विसेज, मुंबई की मदद से नव भारत जागृति केन्द्र द्वारा सदर और चुरचू प्रखंडों के 30 गाँवों में संचालित रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों के शिक्षकगण हेतु उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया. उनका स्वागत करते हुए नभाजाके कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा ने कहा कि बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा को आकर्षक बनाने में शिक्षकों की भूमिका अहम है और एक खुशनुमा माहौल में शैक्षणिक उपलब्धि का स्तर ऊँचा रहता है. कक्षा में विद्यार्थी की भागीदारी और अभिभावक संपर्क पर भी उन्होंने बल दिया. इस प्रशिक्षण शिविर में शिक्षकों ने अपने अनुभव के आधार पर विज्ञान, गणित, अंग्रजी जैसे विषयों के सरल शिक्षण तरीकों पर प्रकाश डाला और कम समय में अधिक सीखने–सिखाने का गुर बताया. प्रशिक्षण के अंत में उनके बीच शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया गया. 18 अगस्त को इन कोचिंग केन्द्रों की बालिकाओं हेतु क्विज, निबन्ध, चित्रकारी और वर्तनी जाँच सम्बन्धी संयुक्त प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में चुरचू, रोला, लालपुर, डेमोटांड, दारू, झुमरा, जगदीशपुर, मेरू, सरौनी कला, मंडई खुर्द, बभनवै, अमृतनगर, सिलवार कला, बैहरी, नगवां केन्द्रों से 45 बच्चियों ने हिस्सा लिया. प्रतिभागियों द्वारा सम्बन्धित प्रतियोगिताओं में योग्यता प्रदर्शन के बाद निर्णायक मंडल की ओर से जारी परिणाम के अनुसार शालू कुमारी (बभनवै), खुशी रानी (अमृतनगर) और कोमल कुमारी (अमृतनगर) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. इन बच्चियों ने रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों को शिक्षा का अच्छा माध्यम बतलाते हुए कहा कि हर गाँव को ऐसे केन्द्र की जरूरत है. इनके अलावा निशा कुमारी (बभनवै), निशा (दारू) और अन्नू कुमारी (अमृतनगर) ने भी अपने विचारों को रखा. इस अवसर पर नभाजाके कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों से एक शैक्षणिक माहौल बनता है और भावी प्रतियोगी परीक्षाओं में ऐसे अनुभव काम आते हैं. कार्यक्रम में शामिल अन्य सभी प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिये गए. इन कार्यक्रमों में प्रखंड संयोजक सर्वश्री विक्रम कुमार और पिन्टू कुमार दांगी के अलावा शुभांकर मिश्र, गणेश विश्वकर्मा, संजय महतो, चन्दा कुमारी, ओमप्रकाश साहू, विक्रम कुमार, कृति तिवारी, मनोज बिहारी, जावेद हुसैन, संजय महतो, पुरन्दर कुमार, सौरभ सुमन, निशा कुमारी, प्रणव कुमार (शिक्षकगण) की भूमिका महत्वपूर्ण थी. विदित हो कि इन रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों में कक्षा 8, 9 और 10 की लगभग 1000 स्कूली बच्चियों को अंग्रेजी, विज्ञान और गणित पढ़ाने की निःशुल्क व्यवस्था है.

28 July, 18 August 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): One day Orientation training camp was organized for the teachers of Remedial Coaching Centres (RCCs) running in 30 villages of Sadar and Churchu blocks under Hazaribag district. In his welcome address, Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) said about important role of teachers to make education attractive and suggested for communication among student-teacher-parent. During the training, participant teachers have shared simple teaching methodologies they developed out of their experience. They elaborated about less time consuming and more interesting techniques for teaching-learning process. At end of the session, teaching-learning materials were distributed for each Remedial Coaching Centre. On 18 August, a competition in quiz, essay, drawing & spelling test was organized for RCC students. The event was participated by 45 students from 15 RCCs at Churchu, Rola, Lalpur, Demotaand, Daroo, Jhumra, Jagdishpur, Meru, Sarauni Kala, Mandai Khurd, Babhanwai, Amrit Nagar, Silwar Kala, Baihri & Nagwaan villages. After showing abilities by the contributors, the judges have declared Ms Shaalu Kumari (Babhanwai), Ms Khushee Rani (Amrit Nagar) and Ms Komal Kumari (Amrit Nagar) as winners on first, second & third positions. These children have appreciated the very idea of RCC for girl children and asked for it's initiation in every village to promote girls' education. Apart from them, other girls too have expressed their views upon the event and welcomed this as a booster for confidence building. On this occasion, Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) conferred prizes among the winners and said that such competitions provide an interesting academic environment and concerned experiences work in future to click competitive examinations. All participants of this competition were given consolation prizes. The block coordinators and teachers like Messrs Vikram Kumar, Pintu Kumar Dangi, Shubhankar Mishra, Ganesh Vishwakarma, Sanjay Mahto, Chanda Kumari, Om Prakash Sahoo, Vikram Kumar, Kriti Tiwary, Manoj Bihari, Jawed Hussain, Sanjay Mahto, Purandar Kumar, Saurabh Suman, Nisha Kumari and Pranav Kumar have contributed to organize the programs. Its noteworthy that these RCCs provide extra tuition classes to about 1000 girl students of class 8, 9 & 10 for English, Mathematics and Science free of cost. The centers are being supported by HDB Financial Services, Mumbai.

महिलाओं–बच्चों हेतु कानूनी जागरूकता शिविर

11 अगस्त 2018, अमृत नगर (हजारीबाग): जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के सौजन्य से नभाजाके संचालित परिवार परामर्श केन्द्र, अमृत नगर में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं–बच्चों से जुड़े कानूनों की जानकारी दी गयी. जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से टीम लीडर भैया मुकेश कुमार और मो० मोअज्ज़म (अधिवक्तागण) ने कार्यक्रम परिचय के क्रम में निराश्रित बच्चों के लिए फ़ॉस्टर केयर सम्बन्धी कानूनों की जानकारी दिया. अधिवक्ता सौरभ अंशु ने कहा कि जुड़वां बच्चे एक ही परिवार को दिए जाते हैं और बाल कल्याण समिति से संपर्क कर गोद लेने की कानूनी प्रक्रिया पालन करना होता है, जिसका उद्देश्य बच्चे की सुरक्षा और उन्हें अच्छा नागरिक बनाना है. मो० मोअज्ज़म ने यौन हिंसा व अन्य अपराधों से पीड़ितों हेतु मुआवजा योजना–2018 की जानकारी देते हुए कहा कि लड़का–लड़की के अधिकार समान हैं, कानून छुआछूत नहीं मानता है और असामाजिक तत्वों से सुरक्षा में कानूनी मदद के पर्याप्त प्रावधान हैं. भैया मुकेश ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से उन तमाम मामलों में पहल की जाएगी, जिनमें न्याय के लिए कानूनी सहायता चाहिए. इन्होंने उपस्थित लोगों से अनाथ, बाल श्रमिक, बाल व्यापार के शिकार बच्चों या बच्चियों के लिए संवेदनशीलता बरतने की अपील किया और कहा कि एक सुरक्षित समाज का निर्माण करना हम सबों का दायित्व है. विधि छात्राओं में किरण कुमारी ने बालिका शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अभिभावकों से संवाद को महत्वपूर्ण माना जबकि नेहा अंजुम ने स्कूल को समाजीकरण का एक अच्छा माध्यम मानते हुए महिलाओं से अपने बच्चों को स्कूल भेजने की अपील किया. इस कानूनी जागरूकता शिविर में कुणाल राज, मनोज कुमार राणा, संजय कुमार, छठू राम (सभी पारा–लीगल वालंटियर्स) के अलावा अमृत नगर, ओरिया, बैहरी, सखिया, नूतन नगर आदि गांवों से लगभग 70 महिलाएं उपस्थित थीं. कार्यक्रम के अंत में परिवार परामर्शी मीरा गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया.

FCC & DLSA Organized Legal Awareness Camp for Women & Children

11 August 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): NBJK run Family Counselling Centre has organized a legal awareness camp for women & their children with support of District Legal Services Authority, Hazaribag. DLSA team leaders Bhaiya Mukesh Kumar and Md. Moazzam (Advocates) have introduced the program before women participants invited by FCC. They elaborated about Foster Care laws, their scope and application. Mr. Saurabh Anshu (Advocate) has informed that twin-born children will be given to the same family and any adoption requires fulfilment of legal procedure after consultation with District Child Welfare Committee. These conditions are set to provide protection of such adopted children and to make them responsible citizens too, he opined. Md. Moazzam has articulated about compensation scheme for women victims/survivors of sexual assaults/other crimes-2018, equal rights for all before the law and said that our constitution has discarded untouchability as well as provides ample space for citizens' security from anti-social elements. Bhaiya Mukesh declared that the door of DLSA is always open for the people in need of legal support to get justice and taking safety measures for women-children is its top priority. He assured that DLSA will initiate in such cases and appealed the audience to be sensitive towards orphan, labourer or trafficked children as we all are responsible to make a safe society. Ms Kiran Kumari (law student) has focused upon girls' education, their self-reliance and parent-child dialogue while Ms Neha Anzum (law student) has requested the women to send their children to school positively as this promotes socialization. The DLSA team was comprised by Messrs Kunal Raj, Manoj Kumar Rana, Sanjay Kumar, Chhatthu Ram (all para-leagal volunteers) also and more than 70 women participants from Amrit Nagar, Oriya, Baihri, Sakhiya, Nutan Nagar villages have attended the program. Mrs. Meera Gupta (Counsellor, FCC) has thanked DLSA members and village women to make the leagal awareness camp a success.

न.भा.जा.केन्द्र में 72वां स्वतन्त्रता दिवस आयोजित

15 अगस्त 2018, संयोजन कार्यालय (अमृत नगर, हजारीबाग) व अन्य शाखा कार्यालय: नव भारत जागृति केन्द्र के संयोजन कार्यालय और अन्य शाखा कार्यालयों में राष्ट्र के 72वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह का सम्मान सहित आयोजन किया गया. इस अवसर पर संयोजन कार्यालय में संस्था अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने झंडोत्तोलन किया. कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए इन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता लोकतंत्र के साथ जुड़ी है और संविधान प्रदत्त लोकतान्त्रिक मूल्यों की सुरक्षा अहम है. श्री गिरिजा सतीश ने सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ की पिटाई द्वारा हत्या और परिवारों में सामूहिक आत्महत्या जैसी घटनाओं को मनुष्यता, कानून और वैज्ञानिक सोच के खिलाफ बताते हुए धर्म की सही व्याख्या पर बल दिया. इन्होंने अन्धविश्वास से मुक्ति के लिए लोगों के मस्तिष्क में तर्कपूर्ण और करुणामय चिन्तन प्रणाली को अनिवार्य मानते हुए महोपनिषद के आर्ष वचन "वसुधैव कुटुम्बकम" का उदाहरण दिया. हमारी व्यवस्था लोककेन्द्रित हो और हममें से अधिकांश को ऐसी शिक्षा चाहिए जो विभाजनकारी ताकतों को पराजित कर सके, ऐसा इनका मानना था. नभाजाके अध्यक्ष ने लोगों से जिम्मेवार बनने की अपील किया. स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित श्री सतीश गिरिजा (मन्त्री, नभाजाके) ने सबों को शुभकामना देते हुए कहा कि

72nd Independence Day Celebrated at NBJK

15 August 2018, Hazaribag & Other Branches: 72nd Independence Day of the nation was celebrated gracefully at the coordination office of NBJK. Mr. Girija Satish (President, NBJK) has hoisted the national flag at 8 a. m. sharp in the office premises. In his address to the staffs and community people, he correlated independence with democracy and stressed upon democratic values enshrined by our constitution. He expressed deep concern over incidents of mob linching, mass suicide and said that such tragedies are against humanity, law and science as well as remind us for right interpretation of religions also. Mr. Girija has called to develop a rational, compassionate thinking in people's mind to get rid of superstitions and recalled Mahopnishad that says about the whole world as one family. Our system must be people-centric and most of us need proper education to dilute divisive forces, NBJK President voiced. He appealed the people to be responsible. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has

जनसाधारण की निरक्षरता, निर्धनता, बीमारियों से मुक्ति के लिए न.भा.जा.केन्द्र उनके साथ काम करता आ रहा है, क्योंकि देश की स्वतंत्रता का आनन्द सभी नागरिकों को मिलना चाहिए. इन्होंने कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच अपनी छवि के प्रति जागरूक रहने की सलाह दिया और कहा कि जनहितकारी कार्यों में और अधिक प्रयास की जरूरत है. श्री प्रभुनाथ शर्मा (कोषाध्यक्ष, नभाजाके) ने उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए उन शहीदों को याद किया, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था. इन्होंने इस दिन को सर्वाधिक ऊर्जावान दिवस की संज्ञा देते हुए स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छन्दता नहीं होता है. श्री शर्मा ने कहा कि इस राष्ट्रीय स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए और बेहतर बनाने की चुनौती हमें स्वीकार करनी होगी. समारोह का संचालन कर रहे श्री प्रवेश सिंह (सहायक वित्त प्रबन्धक, नभाजाके) के नेतृत्व में मातृभूमि और स्वतंत्रता सेनानियों का जयकारा लगाने के बाद यह कार्यक्रम समाप्त हो गया. नभाजाकेन्द्र संचालित विद्यालयों एवं संस्था के शाखा कार्यालयों में भी स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया.

conveyed best wishes to all and said that NBJK has been working with common people for their independence from illiteracy, poverty, diseases and the delight of of an independent nation should reach to all citizens. He suggested NBJK workers to be conscious about their identity among people and to put more efforts in their service. Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) congratulated the people on this occasion and remembered the martyrs who sacrificed everything to liberate our nation. He found the day as most energizing one and differentiated independence from freakishness. To maintain and improve this independence is like a challenge to be accepted, he opined. Mr. Pravesh Singh (Asst. Finance Manager, NBJK) was anchoring the function ended with patriotic slogans. The Independence Day was celebrated in branch offices & organization run schools also with much fanfare.

श्री कुलदीप नैय्यर के निधन पर शोक सभा

28 अगस्त 2018, अमृत नगर (हजारीबाग): जिला लोक समिति और नव भारत जागृति केन्द्र की ओर से प्रख्यात पत्रकार श्री कुलदीप नैय्यर (14 अगस्त 1923 – 23 अगस्त 2018) के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक पत्रकार, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे. उपस्थित लोगों ने दिवंगत श्री नैय्यर की तस्वीर पर फूल चढ़ा कर दो मिनट मौन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया. लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने स्व० कुलदीप नैय्यर को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि उन्होंने पत्रकार–लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता, राजनयिक और राज्य सभा सदस्य की अनेक भूमिकाओं को बखूबी निभाया था. श्री गिरिजा ने उन्हें सच और न्याय का पक्षधर मानते हुए याद किया कि किस तरह श्री नैय्यर सम्पूर्ण क्रांति मंच से जुड़ी लोक समिति व अन्य गैरदलीय संगठनों की बैठकों में अपने खर्च पर शामिल होते थे. इन्होंने बताया कि 1987 में काम के अधिकार को लेकर लोक समिति द्वारा पटना से दिल्ली की साइकिल रैली, राष्ट्रपति श्री वेंकटरामन से मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में श्री नैय्यर की महत्वपूर्ण भूमिका थी और अंतरजातीय–अंतरधार्मिक विवाह मंच के कार्यक्रमों में भी वो शामिल होते थे. इन्होंने चौपारण में नभाजाके संचालित अमोली अपूर्वा उच्च विद्यालय हेतु श्री नैय्यर के सांसद निधि से सहयोग की चर्चा करते हुए समस्त लोक समिति–नभाजाके परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि दिया. श्री अरविन्द झा ने दुनिया के रंगमंच पर स्व० नैय्यर की भूमिका की सराहना किया. डॉ० विश्वनाथ आजाद ने स्व० कुलदीप नैय्यर को सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा कहा. डॉ० (श्रीमती) किरण राणा ने कहा कि उनका हर काम अच्छा और जनसाधारण को ध्यान में रखकर होता था. श्री उमेश प्रताप ने कुलदीप नैय्यर को धारा के विपरीत चलने वाला एक अनोखा व्यक्तित्व बताया और कहा कि वो व्यवस्था को बदलना चाहते थे. श्री फिल्मन बाखला ने देश–समाज के लिए स्व० कुलदीप नैय्यर के योगदान को अमूल्य बताया. श्री अर्जुन यादव ने कहा कि आज के समय में सच बोलने वाला एक बेहतरीन इंसान चला गया. श्री अशोक यादव ने मरहूम नैय्यर की लेखनी को व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में एक ईमानदार प्रयास की संज्ञा दिया. सभा की अध्यक्षता करते हुए श्री स्वरुप चन्द जैन ने उनके निधन को लोकतन्त्र की क्षति बताया.शोक सभा को संबोधित करने वाले अन्य वक्ताओं में श्री अवधेश पांडेय, श्री कौशल गणेश आजाद शामिल थे. सभा में उपस्थित अन्य प्रमुख लोगों में श्री प्रभुनाथ शर्मा, श्री नरेन्द्र महतो, डॉ० विश्वकर्मा, श्रीमती रीता कुमारी आदि थे. मंच संचालन श्री शंकर राणा ने किया.

Rich Tribute to Late Kuldip Nayar

28 August 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): District Unit of Lok Samiti and NBJK have organized a condolence meeting after demise of Mr. Kuldip Nayar on 23 August in Delhi. The meeting was attended by many social workers, journalists, activists and intellectuals. They offered flowers, garlanded the photo of late Nayar Jee and observed 2 minutes silence to pay homage to the departed soul. Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti) described him as the man with multilateral talent who worked efficiently as a journalist-writer, peace/human rights activist, a diplomat and an MP (Rajya Sabha member) too. Mr. Girija recalled Late Nayar for his favour to truth, justice and commitment to strengthen non-political organizations under banner of Sampoorna Kranti Manch during 1984 and onwards. Mr. Nayar has played key role in organizing the Bicycle Rally from Patna to Delhi by Lok Samiti in 1987 for Right to Work and he was a member of the delegation met Mr. R. Venkataraman, the President of India at that time, he remembered. Mr. Girija shared the memoirs that how Mr. Kuldip Nayar participated in several functions of Intercaste-Interreligion Marriages on the platform of Antarjateeya Antardharmik Vivaah Manch/Manav Jodo Abhiyan by Lok Samiti and his contribution to a class room construction at NBJK run Amoli Apurva High School, Maangarh from MP fund. He paid a rich tribute to the deceased on behalf of the Lok Samiti-NBJK family. The condolence meeting was presided by Mr. Swaroop Chand Jain (Advocate & Partaker of '74 movement), who termed the incident as a severe loss to Indian democracy. Mr. Arvind Jha (Advocate-cum-activist) has praised the role of Mr. Nayar in this grand world theater while Dr. Vishwanath Azad (Social Worker) identified him as a source of inspiration for social workers. Dr. Mrs. Kiran Rana (Academician) appreciated Mr. Nayar for his pro-people approach and Mr. Umesh Pratap (Journalist) portraited him as a person against current trend who wished to change the system. Mr. Filman Bakhla (Social Activist) has applauded Mr. Nayar's priceless role for strengthening of our nation and society. Mr. Arjun Yadav ('74 movement contributor) expressed his grief as ending of an era and a voice for unvoiced people. Also Messrs Awdhesh Pandey, Kaushal Ganesh Azad, Ashok Yadav, Prabhu Nath Sharma, Narendra Mahto, Rita Sinha, Dr. Vishwakarma and others have paid honor to late Kuldip Nayar.

लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की मदद

31 अगस्त 2018, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग): एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत नभाजाकेंद्र संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल को ऑप्टिकल बायोमीटर नामक एक आधुनिक उपकरण खरीद हेतु 22 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिली है. इसके लिए हजारीबाग के सांसद और केन्द्रीय नागर विमानन राज्य मन्त्री श्री जयन्त सिन्हा, श्री संजीव जिन्दल (महाप्रबंधक–इंजीनियरिंग व सीएसआर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और श्री प्रभात रंजन बेऊरिया (एयरपोर्ट निदेशक, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राँची) को अस्पताल द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में सम्मानित किया गया. महत्वपूर्ण है कि सिर्फ छह महीने पहले अस्पताल के औषधि और चश्मा केन्द्रों का उद्घाटन करने आए श्री जयन्त सिन्हा ने उक्त उपकरण उपलब्धता का वचन दिया था.

इस सम्मान समारोह में श्री सतीश गिरिजा (सचिव, नभाजाकेंद्र) ने माननीय सांसद सह मन्त्री श्री जयन्त सिन्हा, उनके समर्थकों और ए. ए. आइ. पदाधिकारियों का मंच पर स्वागत किया. इन्होंने श्री सिन्हा द्वारा अपना वादा पूरा करने की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऑप्टिकल बायोमीटर की खरीद से मोतियाबिन्द सहित अन्य समस्याओं से पीड़ित नेत्र रोगियों के इलाज में सहूलियत होगी. श्री सतीश गिरिजा ने माननीय मन्त्री जी सहित उन सभी लोगों को हार्दिक धन्यवाद दिया, जो इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोगी बने हैं. श्री जयन्त सिन्हा ने कहा कि अच्छे उद्देश्य से प्रेरित किसी भी काम में संसाधनों की कमी नहीं होती है और नव भारत जागृति केन्द्र भी इस आँख अस्पताल के माध्यम से व्यापक जनसेवा कर रहा है. उन्होंने बताया कि हजारीबाग जिला में मेडिकल कॉलेज–अस्पताल और एक लाख स्कूली बच्चों के मध्याह्न भोजन हेतु अक्षय पात्र जैसी परियोजनाओं से आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा. केन्द्रीय मन्त्री महोदय ने नभाजाकेंद्र प्रबंधन से रामगढ़ जिला में भी एक आँख अस्पताल शुरू करने का अनुरोध किया. श्री संजीव जिन्दल (महाप्रबंधक–इंजीनियरिंग व सीएसआर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने हजारीबाग के विकास में प्राथमिकता के आधार पर सहयोग की चर्चा करते हुए कहा कि नवम्बर 2018 से अक्षय पात्र योजना शुरू हो जाएगी.

इस अवसर पर, डॉ० प्रभात रंजन बेऊरिया (एयरपोर्ट निदेशक, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राँची) और श्री सतीश गिरिजा (सचिव, नभाजाकेन्द्र) ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए ए. ए. आइ. के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व अंतर्गत मिले इस सहयोग सम्बन्धी दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया. अन्त में माननीय मन्त्री श्री जयन्त सिन्हा, श्री संजीव जिंदल और डॉ० प्रभात रंजन बेऊरिया ने श्री सतीश गिरिजा के हाथों में सम्बन्धित चेक सौंपा. इस समारोह में श्रीमती साबी देवी और सर्वश्री टुनू गोप, महावीर साव, सुरेन्द्र सिन्हा, संजीव कटियार, राजेश सहाय, गजाधर प्रसाद के साथ क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. कार्यक्रम आयोजन में लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की ओर से सर्वश्री गन्धर्व गौरव (कार्यक्रम निदेशक), त्रिपन दास (अस्पताल प्रबंधक), करुणानिधि (सहायक प्रबंधक) एवं अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

CSR Support to LNJP Eye Hospital by Airport Authority of India

31 August 2018, Bahera (Chouparan, Hazaribag): NBJK run Lok Nayak Jay Prakash Eye Hospital organized a thanksgiving ceremony at its premises to honor Mr. Jayant Sinha (Union Minister of State for Civil Aviation), Mr. Sanjeev Jindal (GM, Engg. & CSR) – Airport Authority of India and Dr. Prabhat Ranjan Beooria (Airport Director, Birsa Munda Airport, Ranchi) for financial support worth Rs. 22 lacs to purchase the Optical Biometer, an advance equipment for eye check up purpose. Its remarkable that merely 6 months back, Mr. Sinha has promised to provide such an apparatus to the hospital during his last visit for inaugural function of Spectacles & Medicines Centers in the hospital campus.

Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) welcomed the honorable minister, his supporters and AAI Officials at the dais and praised Mr. Sinha for the pomise he kept as providing an Optical Biometer for the people suffering from cataract & other eye related complications. He valued the contribution for a cause and thanked all others also associated with this process. Mr. Janyant Sinha said that any good objective never lacks means for its accomplishment and this applies here as NBJK intends to serve the people through LNJP Eye Hospital. This will add to health facilities along with coming projects of Medical College-Hospital and Akshay Patra program with nutritious mid day meal for 1 lac school children in Hazaribag district, he expressed. The minister has insisted NBJK management to open another eye hospital at Ramgarh district also. Mr. Sanjeev Jindal (GM, Engg. & CSR) – AAI, has assured for more support for development of Hazaribag on priority basis and launching of Akshay Patra from November 2018.

On this occasion, Dr. Prabhat Ranjan Beooria (Airport Director, Ranchi) and Mr. Satish Girija (Secreatary, NBJK) have signed the MoU and exchanged the documents for the said CSR support. At last, messrs Jayant Sinha, Sanjeev Jindal, Dr. Prabhat Ranjan Beooria and others have handed in the cheque in favour of Nav Bharat Jagriti Kendra to Mr. Satish Girija publicly.

The function was attended by Mrs. Sabi Devi, Mr. Tunu Gope, Mr. Mahavir Saw, Mr. Surendra Sinha, Mr. Sanjeev Katriwar, Mr. Rajesh Sahay, Mr. Gajadhar Prasad and many other dignitaries of the area. LNJP Eye Hospital team was comprised of Messrs Gandharv Gaurav (Program Manager), Tripan Das (Hospital Manager), Karuna Nidhi (Asst. Manager) and others who organized the event successfully.

रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

17–19 सितम्बर 2018, राँचीः एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से संचालित युवाओं हेतु स्थायी आजीविका कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. नभाजाकेन्द्र के राँची शाखा में आयोजित इस प्रशिक्षण हेतु बतौर संसाधन व्यक्ति श्री एन वी सत्यनारायण राव (हैदराबाद) को आमन्त्रित किया गया था. व्यवहार मनोविज्ञान की अकादमिक पृष्ठभूमि वाले श्री राव लाइफ व करियर कोच, परामर्शदाता और उत्प्रेरक वक्ता हैं, जिनके पास अपने क्षेत्र का 15 वर्षीय अनुभव है और जो अनेक प्रतिष्ठित नियोक्ताओं, कॉरपोरेट घरानों और स्वैच्छिक संस्थानों को अपनी सेवा दे चुके हैं.

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का पहला दिन परस्पर परिचय, प्रशिक्षण से उम्मीद, स्वचेतना

Training of Trainers for Rozgar Training Centers

17 – 19 September 2018, Ranchi: Under Axis Bank Foundation, Mumbai supported Program of Sustainable Livelihood to Youths, 3 days training of trainers (ToT) was organized at NBJK, Ranchi. Mr. N. V. Satyanarayana Rao from Hyderabad was the resource person for the training who is a Life & Career Coach, Mentor & Motivational Speaker with a background in behavioural psychology. Mr. Rao has 15+ years experience of the field and he deals with a number of employers, corporate houses and NGOs as his clients.

जागरण पर चर्चा और झिझक दूर करने वाले कुछ अभ्यासों के बाद सामर्थ्य–कमजोरी–अवसर–समय सीमा विश्लेषण, अवचेतन मस्तिष्क, आदत, लक्ष्य निर्धारण जैसे बिन्दुओं पर केन्द्रित था. दूसरे दिन में पूर्वाभ्यास के बाद निर्णय प्रक्रिया, संवाद कौशल, समय प्रबंधन और टीम निर्माण आदि विषयों के साथ समस्या समाधान सम्बन्धी युक्तियाँ शामिल थीं. इस प्रशिक्षण का अंतिम दिन रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षकों के बीच विषय सरलीकरण की निपुणता पर आधारित था.

प्रशिक्षण शिविर में राँची, हजारीबाग, रामगढ़, खूंटी, कोडरमा, दुमका, गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर स्थित रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों से आए 24 प्रतिभागी शामिल थे. श्री अंकित कुमार (राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक, स्थायी आजीविका कार्यक्रम) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन किया.

On first day, he focused upon SWOT analysis, Subconscious Mind & Habits and Goal Setting after introduction, training expectations and about Self-Awareness with some icebreaker excercises. The second day was initiated with Recap and covered the topics like Decision Making, Communication Skills, Time Management and Team Building along with Icebreakers. While the last day was intended to discuss Facilitation Skills among the faculties of Rozgar Training Centers from Ranchi, Hazaribag, Ramgarh, Khunti, Koderma, Dumka, Giridih, Dhanbad and Jamshedpur.

There were 24 participants in the training and Mr. Ankit Kumar (State Program Manager, PSLY) has coordinated the affairs.

Flashback

शराब के खिलाफ सात दिन

वर्ष 2017 में 4 जून से 11 जून के दौरान झारखण्ड प्रदेश लोक समिति, न० भा० जा० केन्द्र और सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में एक राज्यव्यापी शराब मुक्ति यात्रा का आयोजन हुआ था. यह यात्रा हजारीबाग से शुरू होकर कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, सराइकेला, चाईबासा, खूंटी, लोहरदगा और गुमला होते हुए रांची में समाप्त हुई. यात्री जत्थे में लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश, राष्ट्रीय संयोजक श्री कौशल गणेश आजाद, बिहार प्रदेश महामंत्री श्री शिवजी सिंह के साथ बिहार–झारखण्ड प्रदेश लोक समितियों और न० भा० जा० केन्द्र की ओर से सर्वश्री/श्रीमती क्रांति रासोश, मानती वर्मा, पूनम भारती, श्याम कुँवर भारती, शंकर राणा, फिल्मन बाखला, सुजीत मिश्र, पारस महतो, विनय भट्ट, राजीव सिंह, सौदागर, डॉ० उमेश, लोक कलाकार मेघनाथ व उनके साथीगण शामिल थे. लोक समिति की जिला इकाइयाँ और स्थानीय स्वैच्छिक संस्थाएं इस यात्रा में सहयोग कर रही थीं. हरेक पड़ाव पर सम्मेलन/बैठक, नुक्कड़ नाटक, प्रेस वार्ता, पर्चा वितरण जैसी गतिविधियाँ आयोजित हुईं. इस शराब मुक्ति यात्रा को उम्मीद से कहीं ज्यादा जनसमर्थन मिला और ज्यादातर महिलाएं, पंचायती राज प्रतिनिधिगण, गाँधीवादी टाना भगतों और युवाओं ने शराब पर रोक की माँग का खुलकर समर्थन किया. यात्रा समापन के दिन, 11 जून 2017 को राँची में आयोजित शराब मुक्ति सम्मेलन में श्री गिरिजा सतीश ने कहा था कि हमारा संविधान राज्य को शराबबन्दी करने का निर्देश देता है और हमें उस नागरिक दायित्व का भी स्मरण कराता है, जो महिला विरोधी कुप्रथाओं के खिलाफ है. सम्मेलन के अध्यक्ष पद्मश्री अशोक भगत (विकास भारती, बिशुनपुर, गुमला) थे, जिन्होंने शराब को भारतीय मानस के खिलाफ बताते हुए सदाचार–नैतिकता हेतु इस पर प्रतिबन्ध को जरूरी माना और सामाजिक शक्तियों को जोड़ते हुए लोकमत जागरण के बल पर शराबबन्दी के लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील किया. इस सम्मेलन को सम्बोधित करने करने वालों में श्रीमती शची (सीएसएस, राँची), श्री संजीव विजयवर्गीय (उपमहापौर, राँची नगर निगम), श्री एस० के० सिंह (क्षेत्रीय निदेशक, एसोचैम), श्री सच्चिदानन्द (महामन्त्री, झारखण्ड प्रदेश लोक समिति), श्री वजीर अहमद (उपाध्यक्ष, झारखण्ड प्रदेश लोक समिति) समेत अन्य वक्तागण भी थे.

7 Days against Liquor

A state wise anti-liquor campaign as the Journey for Liberation from Liquor in Jharkhand was organized during 4 – 11 June 2017 under joint auspices of Jharkhand State Lok Samiti, NBJK and other allied organizations. The journey started from Hazaribag and ended at Ranchi via Koderma, Giridih, Deoghar, Dumka, Jamtada, Dhanbad, Bokaro, Jamshedpur, Saraikela, Chaibasa, Khunti, Lohardaga and Gumla districts. The advocacy campaign was titled as Sharab Mukti Yatra and led by Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti). Mr. Kaushal Ganesh Azad (National Coordinator, Lok Samiti), Mr. Shivji Singh (General Secretary, Bihar State Lok Samiti) and other office bearers of Bihar & Jharkhand States Lok Samiti like Mrs. Kranti Rasosh, Mrs. Manti Verma, Mrs. Punam Bharti, Mr. Shyam Kunwar Bharti, Mr. Shankar Rana, Mr. Filman Bakhla, Mr. Sujit Mishra, Mr. Paras Mahto, Mr. Vinay Bhatta, Mr. Rajiv Singh, Mr. Saudagar, Dr. Umesh and folk artist Mr. Meghnath & team have accompanied the journey. District units of lok Samiti and local Voluntary Organizations have supported this Sharab Mukti Yatra and they arranged public meetings, street plays, press conference, handbill distribution and administrative arrangement at each stoppage. The Journey for Liberation from Liquor has earned enormous approbation from common people and most of the women, PRI representatives, Gandhiaite Tana Bhagats and youths have endorsed the demand to ban liquor in Jharkhand strongly. On 11 June 2017, the concluding day of this program, a state level convention against liquor was held at Ranchi and Mr. Girija Satish referred to Indian constitution that directs the state to ban liquor and reminds we citizens to oppose any anti-women custom prevailing in the society. The convention was presided by Padmashri Ashok Bhagat (Vikas Bharti, Bishunpur, Gumla) who supported the very idea to ban liquor in Jharkhand and insisted for strengthening of moral fabrics, unity of social forces and mass awareness to reach the objective. Mrs. Shachi (CSS, Ranchi), Mr. Sanjeev Vijaywargiya (Dy. Mayor, Ranchi MC), Mr. S. K. Singh (Regional Director, ASSOCHAM), Mr. Sachchidananda (General Secretary, Jharkhand LS), Mr. Wazeer Ahmad (Vice-President, Jharkhand LS) were other speakers on this occasion.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।
दूरभाषः +91 8809672146, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com